लव जिहाद

भारत के खिलाफ इस्लामिक साजिश

– डॉ. कैलाश कबीर

लव जिहाद एक शैतानिक खंजर

ईश्वर ने पृथ्वी पर रहने वाले सभी प्राणियों में केवल मनुष्य को ही कुछ विलक्षण गुण दिए हैं। इन्हीं में से एक है भावना जिसके कई रूप हो सकते हैं, प्यार भी इसी भावना का एक रूप है। लव जिहाद दो शब्दों से मिलकर बना है लव यानी प्यार दूसरा शब्द जिहाद अरबी भाषा से लिया गया है। जिहाद का सामान्य अर्थ है किसी मकसद को हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाकर जी जान से कोशिश करना।

भारत में इस्लामी सत्ता कायम करने के लिए मुस्लिम चरमपंथियों ने लव जिहाद नामक घातक हथियार इजाद किया है। जब कोई मुस्लिम युवक किसी गैर मुस्लिम लड़की (हिंदू, सिक्ख, जैन, ईसाई आदि) को अपने प्रेम जाल में फंसा कर शादी करके मुस्लिम बना लेता है तो इसे लव जिहाद कहा जाता है।

जिहादियों ने बंदा बैरागी को अमानुषिक यातनाएं दीं

लव जिहाद भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने, धर्म और समाज को नष्ट भ्रष्ट कर इस देश को दारुल इस्लाम (इस्लामी स्टेट) बनाना की एक भयानक साजिश है। मुगल आक्रांता अपने सैकड़ों वर्षों के शासन काल में तलवार के बल पर हिंदुओं पर अमानुषिक अत्याचार करने के बाद भी इस देश की पहचान मिटा नहीं सके। इस्लामी ताकतें यह भली-भांति जानती हैं कि भारत को केवल लालच और पाशविक ताकत के बदले इस्लामी राज्य नहीं बनाया जा सकता है अत: अब लव जिहाद को व्यवस्थित तरीके के अंजाम दिया जा रहा है, अगर समय रहते इस पर लगाम नहीं गई तो दूरगामी भयानक दुष्परिणाम होंगे। सिरफिरे मुस्लिम चरमपंथियों की सोच है कि किसी भी तरह भारत में मुस्लिम पापुलेशन बड़ाई जावे ताकि यहां मुस्लिम सत्ता कायम की जा सके। इस नापाक मुस्लिम साजिश के विरुद्ध हमें सचेत एवं एकजुट रहना चाहिए।

सारे संसार, में लगभग 52 इस्लामिक देश हैं, इनमें से कोई भी देश धर्मनिरपेक्ष नहीं है। इन देशों में कुरान का शरिया कानून लागु है। जिसमें गैर मुस्लिमों को दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है, वहाँ उन्हें सार्वजनिक तौर पर धार्मिक रीति-रिवाज, त्यौहार एवं उत्सव मनाने की आजादी नहीं है। गैर मुस्लिमों के साथ गुलामों की तरह व्यवहार किया जाता है और उनका सभी प्रकार से शोषण किया जाता है। हमारे देश भारत को भी इस्लामी झंडे तले लाने के लिए कई प्रकार के षड़यंत्र किए जा रहे हैं। खूंखार इस्लामिक आतंकवादी संगठन जिहाद के नाम पर सारे देश में बम विस्फोट से सामूहिक हत्याएं करके हिंदुओं की जनसंख्या को घटा रहे हैं वहीं दूसरी ओर एक बहुत बड़ा मुस्लिम तबका जनसंख्या वृद्धि करके इस्लाम की ताकत बढ़ा रहा है, तीसरा है लव जिहाद जिसमें मुस्लिम गुंडे हिंदुओं की लड़कियों को फरैब से प्रेम जाल में फँसा कर उन्हें इस्लाम कबूल करने के लिए बाध्य कर रहे है। उदाहरण के लिए भारत की आजादी के पहले पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की जनसंख्या का प्रतिशत क्रमश: 27% एवं 32% था। जो वर्तमान में घट कर 1.2% और 7% रह गया है। यही स्थिति हमारे देश में भी है यहां भी सन् 2011 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम की आबादी बढ़ी है और हिंदुओं की आबादी में भारी कमी आई है।

मुस्लिम देश में अन्य पंथ का ग्रंथ पढ़ने की सजा

इस पुस्तक में हम केवल लव जिहाद पर तत्थात्मक विचार-विमर्श करेंगे।

''वयं राष्ट्रे जागृयाम''

21वीं सदी का जिहाद गैरमुस्लिम लड़की की कोख से

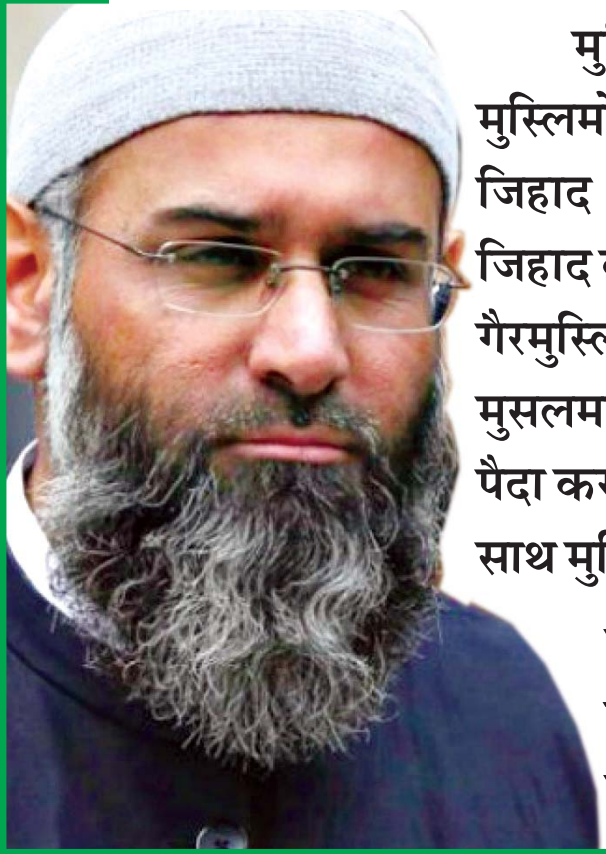

मुस्लिम उलेमा अंजेम चौधरी ने सन् 2008 में मुस्लिमों को आह्वान करते हुए कहा है कि अगला जिहाद गैरमुस्लिम औरतों की कोख से होगा। लव जिहाद के लिए हे अल्लाह पर ईमान लाने वाले बंदों, तुम गैरमुस्लिम लड़कियों को प्रेमजाल में फँसाकर मुसलमान बनाओ तथा हर एक लड़की से 10-12 बच्चे पैदा कर उन्हें भी जिहाद के लिए तैयार करो तो समय के साथ मुस्लिम बहुसंख्यक हो जाएंगे। एक बार जनसंख्या बढ़ने से हम इस दुनिया को दारुल इस्लाम बना देगें जिससे कि सारे संसार में इस्लाम का परचम बुलंद होगा।

इंशा अल्लाह

भारत में लव जिहाद को अंजाम देने के तरीके

लव जिहाद को अंजाम देने के लिए मुस्लिम देशों से अरबों-खरबों रुपये भारत के मुस्लिम संगठनों को दिये जाते हैं, इसकी कमान भारत में प्रतिबंधित सिमी के कार्यकर्ताओं के हाथों में है। मस्जिदों में मुसलमानों की मीटिंग रखी जाती है जिसमें अमीर-गरीब सभी तबकों के मुस्लिम भाग लेते हैं। उनको हिंदू या सिक्ख इलाकों में धूम-धूम कर ये पता लगाने को कहा जाता है कि किस घर में जवान लड़कियां है, उनकी एक लिस्ट बनाई जाती है। मुसलमान घरों से स्मार्ट और कुछ पढ़े लिखे शातिर युवकों का लव जिहाद की ट्रेनिंग के लिए चयन किया जाता है। इनके लिए नई-नई महंगी मोटर साइकलें खरीदी जाती हैं। ट्रेनिंग में इन्हें हिंदू तौर-तरीकों तथा उनके रहन सहन की बारिकी से शिक्षा दी जाती है। मुस्लिम युवकों का ब्रेनवाश करके उन्हें धर्म की अफीम चटाई जाती है उन्हें समझाया जाता है कि अगर तुम किसी गैर मुस्लिम अर्थात हिंदू, सिक्ख, इसाई या बौद्ध लड़की से शादी करते हो तो तुम इस्लाम के लिए एक बड़ा ही नेक काम करते हो। उनके दिलों में काफिरों के प्रति नफरत का जहर भरा जाता है। एक काफिर को मुस्लिम बनाने पर तुम्हें जन्नत नसीब होगी जहां तुम्हें पाक-साफ 72 हुरें मिलेगी तथा 64 खूब सूरत लौंडे भी मिलेगें जो तुम्हारी खिदमद में हमेशा तैयार रहेंगे। लव जिहाद के लिए उन्हें जेब खर्च और हिंदू लड़की से इस्लाम कबूल कर निकाह करने पर एक बड़ी रकम बतौर ईनाम दी जाती है। लव जिहाद का मुख्यालय मालाबार में है। सारे भारत में इसकी शाखाएं हैं।

लव जिहाद की ट्रेनिंग के बाद ये शातिर गुंडे हिंदू लड़की को प्रेम जाल में फँसाने के लिए निकल पड़ते हैं। ये बहुत ही मीठी-मीठी भाषा बोलते हैं, हाथ में कलावा बांध लेते हैं और हमेशा नई-नई मोटरसाइकल लेकर लड़कियों के पीछे पड़ जाते हैं। इस काम में हिंदू लड़कियों की मुस्लिम सहेलियां भी काफी मददगार होती हैं जोकि उन्हें लव जिहादियों से मिलने के अवसर पैदा करती हैं। ये अपना असली नाम छुपाकर हिंदू नाम रख लेते हैं। कुछ दिनों बाद हिंदू लड़की लव जिहादी की ओर आकर्षित हो जाती है। दो-चार मुलाकतें होती हैं जो कालांतर में दोस्ती में बदल जाती हैं फिर दोस्ती प्यार में बदल जाती है जब उनका प्यार परवान चढ़ता है तो लड़की अपना सब कुछ उसे सौंप कर लव जिहाद की शिकार बन जाती है।

फेसबुक कारगर हथियार है लव जिहाद के लिए

हमारे देश में फेसबुक यूजर्स की संख्या करोड़ों में है इनमें भी युवा वर्ग की संख्या काफी अधिक है। ये प्रतिदिन 2-3 घंटे फेसबुक पर बर्बाद करते हैं। लव जिहादी फेसबुक का उपयोग लव जिहाद के रूप में करने लगे हैं। ये अपना असली नाम छुपा कर कोई हिंदू नाम से अपना फेसबुक अकाउंट खोलते हैं। हिंदू लड़कियों को चुन चुन कर फ्रैंड रिक्वेस्ट भेजते हैं, उनके मैसेज बाक्स में भी तरह-तरह के मैसेज भेजते रहते हैं। कुछ नादान लड़कियां इन अपरिचितों से मैसेज का आदान-प्रदान करने लगती हैं, इसके बाद उनकी आपस में घंटों चैटिंग होने लगती है मोबाइल नंबर भी फेसबुक फ्रैंड को दे देती हैं, फिर आपस में घंटों प्यार की बातें होती हैं। लड़की मोह जाल में फंस कर लव जिहादी से मिलने लगती है। प्यार में दीवानी होकर वो सभी हदें तोड़कर अपना सब कुछ गवां देती हैं। इस तरह भी लव जिहादी हिंदू लड़कियों को अपना शिकार बना लेते हैं।

को-एड स्कूल और कॉलेज लव जिहाद के अड्डे

जिन स्कूल कॉलेज में लड़के-लड़कियां साथ-साथ पढ़ते हैं वहां लव जिहाद को आसानी से अंजाम दिया जाता है। वहां मुस्लिम लड़के भी पढ़ते हैं। उनमें से कुछ लव जिहाद की ट्रेनिंग लिये होते हैं। वे शुरू से ही हिंदू लड़की को शिकार बनाने की ताक में रहते हैं। 4-6 घंटे विद्यालयों में साथ-साथ रहते हैं, आपस में उठना बैठना भी होता है। सह-पाठियों में अच्छी खासी मित्रता रहती है। ऐसे विद्यालयों का वातावरण काफी खुला रहता है लड़के लड़कियां बेझिझक आपस में मिलते हैं, हंसी मजाक करते है। लव जिहादी पढ़ाई का बहाना करके लड़की से नोट बुक, किताब आदि पढ़ने को लेता है, उसके घर पर भी आना-जाना शुरू कर देता है, होटल, सिनेमा भी साथ-साथ जाते हैं। लड़की को यह पता ही नहीं चलता कि कब उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। वह उन जिहादी के फरैबी प्यार में पड़कर शादी और गृहस्थी के सपने देखने लगती है। वह मक्कार इसी मौके का लाभ उठाकर लड़की से शारीरिक संबंध बना लेता है। लड़की भी प्यार में दीवानी रहती है बाद में उसे पता चलता है कि उसके साथ धोखा हुआ है लेकिन तब तक वह तबाह हो चुकी होती है।

उदाहरण

भोपाल शहर में लड़कियों का महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय मुस्लिम बहुल क्षेत्र में था जहां प्रति वर्ष 50-60 हिंदू लड़कियां मुस्लिमों के प्रेमजाल में फंस कर अपना जीवन तबाह कर लेती थीं। हिन्दू समाज के दबाव के बाद शासन ने उस कॉलेज को हिंदू बाहुल्य क्षेत्र में शिप्ट किया तब से लव जिहाद पर कुछ अंकुश लगा है।

मोबाइल रिचार्ज सेंटर

हिंदूबहुल क्षेत्रों में मुस्लिमों द्वारा मोबाइल रिचार्ज की दुकानें भी खोली जाती हैं। वहां हिंदू लड़कियां मोबाइल रिचार्ज करवाने जाती हैं तो उनके नंबरों को दुकानदार लव जिहादियों को फारवर्ड कर देते हैं, मोबाइल नंबर प्राप्त हो जाने पर लव जिहादी उस पर अश्लील मैसेज भेजने लगते हैं। वाटसएप पर भी अश्लील फोटो एवं वीडियो क्लिप भेजते रहते हैं। पहले तो लड़की उपेक्षा करती है परंतु लगातार फोन और मैसेज को वे अधिक समय तक टाल नहीं सकती अंतत: वे कामुक बातों में फँस जाती है फिर मेल-जोल मुलाकात का सिलसिला चलने लगता है ये मुलाकातें प्यार मोहब्बत में बदल जाती है इस तरह हिंदू लड़की प्रेम जाल में फँस कर बर्बाद हो जाती है।

लड़की के भाई से दोस्ती

लव जिहादी हिंदू लड़की के भाई से दोस्ती करके उसके घर आना-जाना शुरू कर देते हैं। छोटे-मोटे घरेलू कामों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। कुछ दिनों में हिंदू परिवार में घुल मिल जाते हैं, बार-त्यौहार में भी ये बगुला भगत उत्साह से काम करते हैं। हर तरह की मदद करने के लिए हरदम तैयार रहते हैं यहां तक कि दोस्त की बहिन से राखी भी बंधवाते हैं। मौका पाकर लड़की से प्रेम लीला प्रारंभ कर देते हैं शुरू-शुरू में तो लड़की मना करती है लेकिन बाद में समर्पण कर देती हैं। मुस्लिम समाज भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को नहीं मानते हैं। उनमें सगी बहन को छोड़कर मामा, फूफा, काका, ताऊ की लड़कियों से शादी करने का आम रिवाज है।

लव जिहाद की शिकार लड़कियों की दयनीय दुर्दशा

लव जिहाद के दल दल में फँसी लड़की को जब तक उस धूर्त प्रेमी की सच्चाई का पता नहीं लगता है तब तक वह प्यार की रंगीली दुनिया में खोई रहती है। इसी बीच वह धोखेबाज लड़की से कई बार शारीरिक संबंध बना चुका होता है। लेकिन जब लड़की को यह पता चलता है कि उसका प्रेमी मुसलमान है और वह गर्भवती हो गई है तो उसके पैरों तले की जमीन खिसक जाती है वह बहुत घबरा जाती है, व्याकुल हो जाती है। पंख कटे परिंदें की तरह लाचार हो जाती है। वह मुस्लिम प्रेमी भी अपना असली रूप दिखाने लगता है वह उसके अश्लील फोटो व वीडियो दिखाकर ब्लैक मेल करने लगता है और लड़की उसके इशारों पर नाचने को मजबूर हो जाती है। लड़की जिहादी के साथ किये गये शादी के वादों की याद दिलाती है तो वह कहता है हमारे मजहब में हिंदू लड़की से शादी नहीं हो सकती तुम्हें इस्लाम कबूल करना पड़ेगा। इस तरह एक बेबस हिंदू लड़की लव जिहाद की बली बढ़ जाती है और मुसलमान बन जाती है।

लव जिहाद की शिकार लड़की को उसके माता-पिता और हिंदू समाज अपनाने को तैयार नहीं होते हैं, इसलिए वह मुस्लिम नर्क भोगने को विवश हो जाती है। जनसंख्या बढ़ाने के चक्कर में वह घनचक्कर जिहादी उस हिंदू लड़की से 8-10 बच्चे पैदा कर लेता है। इस्लाम में औरत आदमी की मिल्कियत और खेत मानी जाती है उसे हमेशा बुर्के में रहना पड़ता है। कई तरह की पाबंदी रहती है। इस तरह वह अभागी हिंदू लड़की बच्चे पैदा करने की मशीन बन जाती है एक तरह से घुट-घुट कर मरने लगती है।

जिहादी से निकाह के बाद कुछ हिंदू लड़कियां मुस्लिम दकियानुसी का विरोध करती हैं तो उसे तीन बार तलाक,तलाक,तलाक कह कर धक्के मारकर घर से निकाल देते हैं। वह अभागी औरत दर-दर की ठोकरे खाती है उसकी मजबूरी का फायदा उठाकर उसे वैश्यावृत्ति में धकेल दिया जाता है। कुछ लड़कियों को भारत की यात्रा पर आये अरब कंट्री के शेखों को बेच दिया जाता है, शेख उसे नमकीन बेगम कहते हैं उसे गुलाम बनाकर उसका यौन शोषण किया जाता है।

लव जिहाद के चर्चित उदाहरण

भारत में लव जिहाद के हजारों–लाखों उदाहरण हैं। मायानगरी बालीवुड में मुस्लिम अभिनेताओं की केवल हिंदू पत्नियां ही क्यों हैं? शाहरुख खान,आमिर खान, फरदीन, सुहेल खान, अरबाज, सैफअली, साजिद, आदि कितने ही नाम हैं जिन्होंने हिंदू लड़कियों से शादियां की है। आमिर और सैफअली ने तो दो–दो हिंदू लड़कियों को शादी के लिए फाँस लिया है। इन्हीं को आदर्श मानकर हिंदू लड़कियां मुस्लिमों के चंगुल में फँस जाती है। ये शाहरुख और सलमान के पोस्टर्स अपने रूम में लगाती हैं। इन्हें हर जिहादी शाहरुख या सलमान ही लगता है। आजकल फिल्मी दुनिया में मुस्लिम अभिनेताओं की बाढ़ आई हुई है। इसका मुख्य कारण यह है कि फिल्म उद्योग में अंडरवर्ल्ड माफिया सरगनाओं का काफी धन लगा हुआ है। ये माफियाडॉन फिल्म प्रोड्यूसरों को केवल एक ही शर्त पर पैसा देते हैं कि फिल्म का नायक मुस्लिम अभिनेता होना चाहिए। बदसूरत शाहरुख खान जिसे ठीक से बोलना भी नहीं आता है क....क... करता रहता है। इन्हीं पैसा लगाने वालों की बदौलत आज सुपर स्टार बना हुआ है। क्या कारण है कि फिल्म उद्योग में मुस्लिम अभिनेता की तुलना में मुस्लिम अभिनेत्रियों की संख्या इतनी कम क्यूं है। यहां दी गई सूची को ध्यान से पढ़ें ओर विचार करें–

किरण राव-आमिर खाँन-रीना दत्ता

अमृता सिंह-सैफ अली-करीना कपूर

बालीवुड में लव जिहाद

शाहरुख खान गौरी चब्बियां	आमिर खान रीना दत्ता (तलाक), दूसरी शादी किरण राव	सैफअली खान अमृता सिंह, दूसरी बीबी करीना कपूर

इमरान खान अवंतिका	अरबाज खान मलाईका अरोरा	फरहान अख्तर आधुना भबानी	जावेद खान मलाईका पारेख
इमरान हाशमी परवीन साहनी	फिरोज खान सुंदरी	फारुख शेख रूपा जैन	नसरुद्दीन शाह रत्ना पाठक
मंसूरअली पटौदी शार्मिला टैगोर	मोहसिन खान रीना राय	मो. अजरुद्दीन संगीता बिजलानी	

लव जिहाद के कुछ और चर्चित उदाहरण

- ब्रिट्रेन के अरब पति जेम्स गोल्ड स्मिथ की पुत्री जेमिमा मार्सेल गोल्ड स्मिथ आयु 21 वर्ष पाकिस्तानी क्रिकेटर इमरान खान उम्र 42 वर्ष के प्रेमजाल में फंस गई। उसने 1995 में शादी की, इस्लाम अपनाया नाम रखा गया हाइका खान, उसने उर्दू सीखी, पाकिस्तान गई, मुस्लिम तौर तरीकों के अनुसार ढलने की कोशिश की इसी बीच दो बच्चे पैदा कर दिये नाम सुलेमान और कासिम नतीजा क्या रहा....तलाक...तलाक...तलाक। उस अभागन को अपना सब कुछ लुटाकर वापस ब्रिटेन आना पड़ा।
- 24 परगना, पश्चिम बंगाल के निवासी नागेश्वर की पुत्री उम्र 21 वर्ष से उम्र में काफी बड़े मोहम्मद मेराजुद्दीन ने शादी की। उसे मुसलमान बनाया नाम रखा साबरा बेगम सिर्फ 6 साल का वैवाहिक जीवन, साबरा की कौख से चार बच्चे पैदा किये फिर मेराजुद्दीन ने उसे मौखिक तलाक दे दिया, अगले ही दिन कलकत्ता हाईकोर्ट के तलाक नामा क्र. 786/475/2003 दिनांक 2.12.2013 को कानूनन तलाक हो गया। अब आप स्वयं ही सोचिए 4 बच्चों की माँ सरस्वती (साबरा बेगम) का क्या हाल हुआ होगा।
- नवाब पाटौदी ने सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शर्मिला टैगोर से शादी की। यह आज तक समझ में नहीं आया कि बेहद सुंदर शर्मिला टैगोर ने एक आँख वाले नवाब पाटोदी से शादी क्यों की। पटौदी के बेटे सैफअली ने अपने से उम्र में 12 साल बड़ी फिल्म अभिनेत्री अमृतासिंह से निकाह किया, फिर अमृतासिंह को बच्चों सहित त्याग कर अपने से 20 साल छोटी करीना कपूर से शादी की है।
- शेख अब्दुल्ला और उसके बेटे फारुख अब्दुल्ला ने अंग्रेज लड़कियों से शादी कर उसने इस्लाम कबूल करवाया। शेख अब्दुल्ला के पोते उमर अब्दुल्ला ने भी एक हिंदू लड़की से शादी की और उसे अल्लाह के बताये गए रास्ते पर चलाया।
- महात्मा गांधी की पुत्री का विवाह एक मुस्लिम से हुआ। सुब्रह्मण्यम स्वामी की बेटी की शादी विदेश सचिव सलमान हैदर के

साथ हुई वह भी मुस्लिम बन गई।

➲ प्रख्यात बंगाली कवि नजरुल इस्लाम, हूमायूँ कबीर (पूर्व केंद्रीय मंत्री) ने भी एक हिन्दु लड़की से शादी की, और अजरुद्दीन ने फिल्म अभिनेत्री संगीता बिजलानी से शादी की। अजहरुद्दीन की पहली पत्नी से चार बच्चे हैं।

उक्त उदाहरणों में सभी हिंदू लड़कियों का ही इस्लाम कबूल करना पड़ा किसी भी मुस्लिम ने अपना मजहब नहीं बदला, यही तो लव जिहाद है।

गांधी नेहरू परिवार के मुस्लिम इतिहास को सभी जानते हैं

➲ इंदिरा गांधी की शादी फिरोज खान से ब्रिटेन में हुई थी वह भी मुसलमान बन गई नाम रख गया मेमुना बेगम। बाद में महात्मा गांधी ने कूटनीति से दोनों की शादी भारत में हिंदू रिवाज से कराई और उन्हें गांधी उपनाम दिया गया। ओ पी मथाई ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि राजीव गांधी के जन्म के तुरंत बाद फिरोज खान से अनबन हो गई। इस पुस्तक में लिखा है कि संजय मेनका की शादी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मो. यूसुफ के घर संपन्न हुई थी। संजय गांधी की दुर्घटना में मौत पर सबसे अधिक फूट-फूट कर रोने वाले मो. युसुफ ही थे। उन्होंने अपनी पुस्तक ''परसन्स, पैशंस एंड पोलिटिक्स में लिखा है कि संजय गांधी का इस्लामिक रिवाजों के अनुसार खतना किया गया था।

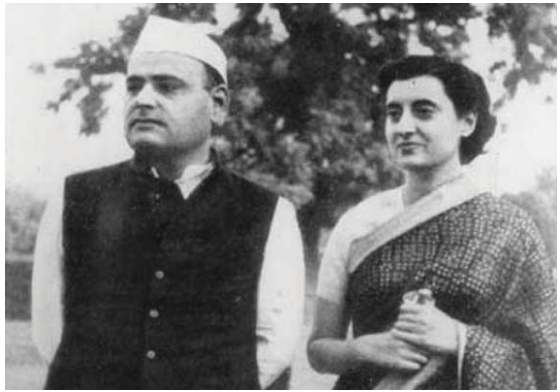

फिरोज खान की बीवी मेमुना बेगम (इंदिरा गांधी)

जिहादी मुस्लिम लड़कियां

- यहां कुछ उदाहरण हैं जिसमें मुस्लिम महिला ने हिंदुओं से शादी की लेकिन इसके लिए सभी हिंदुओं को मुसलमान बनना पड़ा।
- वहीदा रहमान ने कमलजीत से शादी की और वह मुस्लिम बन गया। अरुण गोविल के भाई ने तबस्सुम से शादी की इस्लाम कबूल करने के बाद। इस कड़ी में सबसे आश्चर्य जनक नाम है माकपा के वरिष्ठ कम्युनिष्ट नेता इंद्रजीत गुप्त जो किसी धर्म को नहीं मानते, 62 वर्ष की उम्र में यह एक मुस्लिम महिला सुरैया के प्यार में फंस गये, बेचारे को इंद्रजीत से इफ्तियार गनी बनना पड़ा तब जाकर शादी हुई। कुछ लंपट किस्म के हिंदू एक से अधिक शादी करके अपनी काम पिपासा शांत करने के लिए इस्लाम की शरण में चले जाते हैं। इस कड़ी में एक नाम चंद्रमोहन (चांद) और अनुराधा (फिजा) का है दोनो प्रेम में इतने अंधे और दीवाने हो गये कि एक दूसरे को पाने के लिए इस्लाम स्वीकार कर लिया।
- बंगाल के सुमन चट्टोपाध्याय जो गीतकार, संगीतकार और गायक भी है। यह लंपट जादवपुर सीट से लोकसभा का सांसद भी बन गया। एक इंटरव्यू में उसने स्वीकार किया कि वह कभी एक औरत से संतुष्ट नहीं हो सकता उसे सेक्स के लिए ढेर सारी औरतें चाहिए। एक बांगला देशी नायिका सबीना यास्मिन से शादी करने के लिए इस्लाम स्वीकार कर लिया यह उसकी पांचवीं शादी है। अब इसका नाम है सुमन कबीर। उक्त प्रेम प्रकरणों में हिंदुओं को ही इस्लाम स्वीकार करना पड़ा। आश्चर्य तो इस बात का है कि इस प्रकार के लम्पट किस्म के व्यक्ति जो सेक्स के लिए इस्लामी शरीयत कानूनों का इस्तेमाल करते हैं उन्हें मुसलमान बर्दाश्त कैसे कर लेते हैं।
- मतलब बिलकुल साफ है भारत में किसी भी तरह मुस्लिम आबादी बढ़नी चाहिए ताकि इस देश को दारुल इस्लाम बनाया जा सके। यहां प्रश्न उठता है कि प्यार मोहब्बत, भाई चारे, धर्म की दीवारों से ऊपर उठने आदि की हवाई बातें करने वाले सेक्यूलर क्या यह बताने का कष्ट करेंगे कि कितने मुस्लिम लड़के-लड़कियों ने प्रेम की खातिर हिंदू धर्म स्वीकार किया है ?

लव जिहाद के ऐतिहासिक प्रमाण

भारत के मध्यकाल में (मुगल शासन) में मुस्लिम चाहे जिस हिंदू के घर पर हमला बोल देते थे। वहां जमकर लूटपाट करते तथा उनकी बेटियों-बहनों और स्त्रियों को बंधक बनाकर तलवार के बल पर अपने हरम में ले जाकर और हिंदू नारियों का यौन शोषण करते थे। बहुत से बादशाहों ने अपने महलों में सुंदर हिंदू स्त्रियों को दासियां बनाकर रखा जाता था जहां उनको अपनी हवस का शिकार बनाया जाता था। हजारों हिंदू महिलाओं और जवान लड़कियों को लाहौर और काबूल में औरतों की मंडी में नीलाम किया जाता था। पाकिस्तान में आज भी हिंदू, सिक्ख, ईसाई लड़कियों को बंदूक की नोक पर अगवा कर लिया जाता है उन्हें इस्लाम कबूल करने के लिए बाध्य किया जाता है जो युवती इंकार करती है तो उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया जाता उन्हें बंधक बनाकर रखा जाता है। कुछ लड़कियों की जघन्य हत्याएं भी की जाती हैं। पाकिस्तान में हिंदू समाज के साथ काफी भेदभाव किया जाता है उन्हें वे सब नागरिक अधिकार प्राप्त नहीं है जो भारत के मुस्लिमों को मिले हुए हैं वहां का हिंदू समाज नारकीय जीवन जीने को विवश है।

औरतों की मंडी

हाईकोर्ट में लव जिहाद के प्रकरण

भारत में लव जिहाद का मामला सबसे पहले सन् 2008 में केरल के कैथोलिक चर्च ने उठाया था, बाद में हिंदू संगठनों ने भी इस पर चिंता व्यक्त की तथा समय-समय न्यायालय में मुकदमें दायर किए गये। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सन् 2009 में केरल उच्च न्यायालय ने ये आदेश दिया कि लव जिहाद को रोकने के लिए कानून बनाएं जाएं। ये मामला फिर से चर्चा में आया जब झारखंड में रहने वाली राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज तारा सहदेव लव जिहाद की शिकार बन गई। उसने खुलासा किया कि जिसे वह रंजीत समझ कर दिल दे बैठी वह धोकेबाज दरअसल रकीबुल हसन था, शादी के बाद उसने इस्लाम कबूल करवाने के लिए तरह-तरह की यातनाएं दी गईं।

सन् 2008 में केरल के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर स्वीकार किया था कि केरल में एक संगठित गिरोह द्वारा लव जिहाद अभियान के तहत हिंदू लड़कियों को मुस्लिम बनाया जा रहा है। केरल उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शंकरण ने कहा था कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि प्यार की आड़ में जबरन धर्म परिवर्तन की साजिश चल रही है, छल और फरैब के बल पर इस तरह के मतांतरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सन् 2006 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने भी तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा था कि हिंदू लड़कियां ही इस्लाम कबूल क्यों कर रही हैं ? कोर्ट ने यह भी कहा था कि निकाह के लिए मुस्लिम लड़के अपना मजहब क्यों नहीं बदलते ? न्यायालय के सामने लगातार ऐसे मामले आ रहे हैं जिनमें हिंदू लड़कियों से इस्लाम कबूल करवाने के बाद उनका निकाह मुस्लिम लड़कों से कर दिया जाता है बाद में उनका पता ठिकाना नहीं मिलता हैं।

लव जिहाद की शिकार हिंदू बाला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

नई दिल्ली के मंगोलपुरा क्षेत्र में रहने वाली एक हिंदू युवती ने जिहादी के चंगुल से बचने के लिए फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने मरने से पहले सुसाइड नोट में लिखा कि वह धोके से एक मुस्लिम के चक्कर में फँसकर तंग आ चुकी है। इस युवक ने शुरू में अपना धर्म छिपाकर नाम विशाल बताकर मुझे प्रेम जाल में फँसा लिया लेकिन असलियत पता चलने पर मैंने उससे नाता तोड़ लिया किंतु मोहम्मद एजाज उसके दोस्त और रिश्तेदार विवाह करने के लिए मुझे यातनाएं देने लगे तथा मुझे बर्बाद करने की धमकियां देने लगे। लड़के के जीजा तथा भाई ने भी मुझ से शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। इन बातों से भयभीत होकर गीता ने सुसाइड नोट में साफ लिखा कि अब एजाज उसे जीने नहीं देगा, इसलिए मैं यह दुनिया छोड़कर जा रही हूँ।

पुलिस ने केस दर्ज कर एजाज को गिरफ्तार कर लिया और मामला न्यायालय में चल रहा है।

हिंदू लड़की प्रमिला की दिल दहलाने वाली दर्द भरी दास्तां

वह प्रमिला से परवीन बन गई। गोहाटी में रहने वाली 21 वर्ष की प्रमिला हंसमुख, सुंदर और अपने माता-पिता की आंखों का तारा थी। वह धोखे से एक लव जिहादी शाहिद के प्यार में पड़ गई। उसे नहीं मालूम था कि जिस के प्यार में वह दीवानी हो गई वह मुस्लिम है। उसके प्यार का सिलसिला एक नेट केफे से शुरू हुआ। दोनो में शारीरिक संबंध भी बन गये। कुछ समय बाद वह गर्भवती हो गई मजबूरी में उसे शाहिद से शादी करनी पड़ी कुछ महीने फ्लैट में रहने के बाद शाहिद उसे अपने घर ले गया वहां उसका स्वागत करने के लिए शाहिद की तीन पत्नियां मौजूद थी। परवीन आगबबूला हो गई और वापस अपने घर जाने की जिद करने लगी शाहिद ने उसे जानवरों की तरह बुरी तरह पीटा, उसका मोबाइल भी छीन लिया तथा एक कमरे में उसे कैद कर दिया। वह शराब पीकर आता और परवीन का यौन शोषण निरंतर करने लगा। इसी बीच उसका बच्चा लगभग छः माह का हो गया। उसके यहां कई लोग आते थे जो उसकी बीबियों के साथ गुलछर्रे उड़ाते थे। कुछ समय बाद वह परवीन को भी दोस्तों के साथ सोने को मजबूर करने लगा उसके मना करने पर चार अधेड़ उम्र के लोगों ने बलपूर्वक बारी-बारी से उसका बलात्कार किया। एक दिन उसने दरवाजों के पीछे से सुना कि शाहिद उसे बेचने का सौदा कर रहा है। वह लाचार और बेबस थी। उसने नारकीय जीवन से छुटकारा पाने के लिए इस दुनिया को अलविदा कहा और अपने 6 महीने के बच्चे को साथ लेकर कुएं में कूद कर जान दे दी। पुलिस विभाग ने काफी खोजबीन कर सच्चाई का पता लगाया और शाहिद को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया। लव जिहाद की ऐसी कई दुःखद घटनाएं हैं। उन सब को उजागर करना संभव नहीं, उक्त घटनाओं के आधार पर आप लव जिहाद के वीभत्स और घिनौने रूप को अच्छी प्रकार समझ सकते हैं।

लव जिहाद के लिए हिंदू लड़कियां सॉफ्ट टारगेट

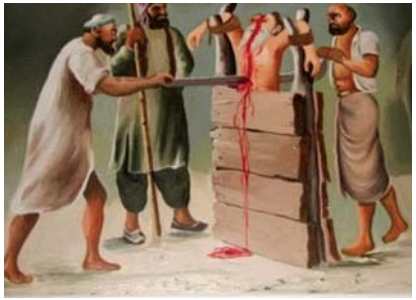

संत मतिदास को जिहादियों ने आरे से चीर दिया था।

मुस्लिमों द्वारा ध्वस्त मंदिर

अधिकांश हिंदू घर–परिवारों में धार्मिक वातावरण नहीं होता है। अपने गौरवशाली धर्म, संस्कृति और इतिहास के बारे में परिवार में चर्चाएं नहीं होती है। वे श्री रामचरित मानस, गीता, एवं महाभारत आदि ग्रंथों का अध्ययन आवश्यक नहीं मानते हैं। मुगलकाल में हिंदुओं पर मुगलों द्वारा किये गये भीषण अत्याचारों को उन्होंने भुला दिया। मुस्लिम शासकों ने हजारों मंदिर ध्वस्त कर दिये आज भी उनके भग्न अवशेष मुस्लिमों की क्रूरता के जीवंत प्रमाण हैं जिनसे हिंदुओं को कोई लेना देना नहीं है। अयोध्या के श्रीराम मंदिर के निर्माण का विरोध मुसलमानों से ज्यादा हिंदू करते हैं। उसे धर्म निरपेक्षता का मोतिया बिंद हो गया है। वह ''ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सम्मति दे भगवान'' का कीर्तन करता है, हमने आज तक किसी मुसलमान को किसी मस्जिद में इसे गाते हुए नहीं सुना है। हिंदू घरों में टीवी पर घटिया सीरियल देखते हैं इससे लड़कियों की बुद्धि

का विकास नहीं होता उल्टे उनकी मति भ्रष्ट हो जाती है। लड़कियों को कहीं भी आने जाने, घूमने फिरने की पूरी आजादी रहती है। पैसा कमाने के चक्कर में पिता बच्चों पर ध्यान ही नहीं देता है और न ही नैतिक शिक्षा देता है। इस कारण हिंदू लड़कियां किसी भी गैरहिंदू से बेधड़क दोस्ती और भाईचारा रखती हैं। वे आधुनिक और खुले विचारों की प्रबल समर्थक होती हैं, घर के बड़े लोगों का उन पर किसी तरह का नियंत्रण नहीं होता है।

फेसबुक पर हिंदू लड़कियों की प्रोफाइल देखेंगे तो उनमें टीवी सीरियल–प्यार–मोहब्बत, बालीवुड मसाला, हॉट लव, प्यार की छांव, शाहरुख, सलमान आदि के पेज लाईक किये होते हैं। उनकी फ्रैंड लिस्ट में मुस्लिमों की संख्या अधिक पाई जाती है। वे अपने रूम में सलमान, शाहरूख के पोस्टर लगाती हैं। क्रिश्चियन स्कूलों और कॉलोजों में पढ़ी लिखी लड़कियां अपने ही धर्म का उपहास उड़ाती हैं। धार्मिक क्रियाकर्मों व रीति रिवाजों, रूढ़िवादी, अंधविश्वास और पाखंड मानती हैं। श्री रामायण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों को कपोल कल्पित कहानियां कहती हैं। साधु संत, धर्मगुरु तथा बाबा योगियों को पाखंडी एवं ढ़ोंगी कहती हैं। स्लीव लैस ब्लाउज पहन कर और बाल बटवाने को ही आधुनिकता की निशानी समझती हैं। अपने अधकचरे ज्ञान के कारण वह कपटी और धूर्त लव जिहादियों का शिकार आसानी से बन जाती है।

लव जिहाद के बारे में हिंदू लड़की को समझाने पर उसके जवाब

हिंदू लड़कियों का दिमाग सांतवें आसमान पर रहता है। अपने अल्पज्ञान के कारण वह अधकचरी आधुनिकता का दंभ करती है। जब उन्हें समझाया जाता है तो वह अनर्गल बातें बोलती हैं यथा –

- आप तो नफरत फैलाते हो।
- आपकी सोच पिछड़ी हुई है।
- देखो डूडे, आगे बढ़ो, इतनी हेट स्पीच मत फैलाओ।
- हमें अपनी सोच बदलनी चाहिए।
- जातिवाद को खत्म करके डेवलपमेंट करनी चाहिए।
- क्या मुस्लिम इंसान नहीं होते, क्या उनका खून लाल नहीं होता।
- मुस्लिम बनने में कोई बुराई नहीं है।
- राजा दशरथ की भी तीन रानियां थीं।
- प्रौफेट मुहम्मद भी तो गाड ही थे।
- एपीजे अब्दुल कलाम भी मुसलमान थे।
- मुस्लिम से शादी करने में क्या बुराई है।
- पाकिस्तान और बांग्लादेशी हिंदुओं की दुर्दशा से हमें क्या लेना-देना।
- यू अपना काम करो, माइंड इन युअर आन बिजनेस।
- शाहरुख खान, आमिर खान और सैफअली से क्या हिंदू लड़कियों ने शादियां नहीं की है।
- आप तो आर्थोडाक्स है, सुनो डेड, आपकी बकवास सुनकर मेरा सिर फटने लगा है। आई वार्न यू, आइंदा मुझसे इस विषय पर बात मत करना।
- अब मैं बच्ची नहीं रही, पढ़ी लिखी बालिग लड़की हूँ अपना बुरा भला अच्छी तरह जानती हूँ।
- अपनी शिक्षा अपने पास रखो, किसी और को समझाना, ओके डेड बाय।

अब आप ही सोचिए ऐसी भ्रष्ट और विकृत मानसिकता वाली लड़की यदि लव जिहाद के नर्क से नहीं पड़ेगी तो कहां जाएगी ?

लव जिहाद एक राष्ट्रीय समस्या और हिंदुओं की उदासीनता

हमारे देश में अधिकारों की बातें तो प्रत्येक नागरिक करता है लेकिन देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करने वालों का नितांत अभाव है। लव जिहाद जैसी भयानक विपदा पर सोचने विचारने का किसी के पास समय नहीं है। हिंदू समाज पर मंडरा रहे इस संकट के प्रति हिन्दु शतुरमुर्ग बना हुआ है। संकट का निवारण करना तो दूर की बात है केवल चर्चा करने पर कहता है। कोई हिंदू लड़की यदि मुसलमान के साथ भाग गई तो मुझे क्या लेना-देना, मेरी बेटी तो भागी नहीं है। आप मेरा और अपना समय बर्बाद क्यों करते हैं ? हिंदुओं को न तो अपने धर्म रक्षा की चिंता है, न संस्कृति, न देश की और न ही अपनी जाति रक्षा की चिंता है। किसी भी समस्या पर ध्यान दिलाने पर एक ही तोतारटंत करने लगता है-मुझे क्या लेना देना ? हमें क्या पड़ी है ? मैं अकेला क्या कर सकता हूँ। क्या हमने हिंदुओं का ठेका ले रखा है ? आप अपने काम से काम रखो-भाई, अभी मुझे बहुत जरूरी काम करने हैं, इन फालतू बातों के लिए मेरे पास समय नहीं है। इस तरह वह अपने सामाजिक दायित्वों की अवहेलना करता है। उसे सोचना चाहिए कि यदि पड़ोसी के घर में आग लगी है तो मेरा घर भी जलेगा। हमारे देश की यह बड़ी विडंबना है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन हिंदूहितों की बात करता है तो उसे साम्प्रदायिक कहा जाता है लेकिन सत्तासुख भोगने के लिए मुस्लिमों के तलवे चाटने वालों को धर्म निरपेक्ष क्यों कहा जाता है ?

बिहार में धर्म परिवर्तन करवाने का मामला विधायक समेत 8 लोगो पर केस दर्ज़

बिहार के समस्तीपुर जिला से विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहीन

बिहार के समस्तीपुर के विधायक ने इस्लाम कबूल करने वाले हिन्दू परिवार को 5 लाख का लालच दिया। हिन्दू परिवार ने धर्म परिवर्तन से मना किया गुस्से में विधायक ने मारी गोली। विधायक पर केस दर्ज़ किया गया है।

इलेक्ट्रोनिक मिडिया सच्चाई दबा रहा है।

लव जिहाद की रोकथाम के उपाय

यदि किसी लड़की को मुस्लिम लड़के के प्रेमजाल में पड़ने की सूचना मिले तो उसके साथ डॉट डपट या मारपीट भूल कर भी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने पर वह तुरंत घर छोड़कर भाग जाएगी। अपितु हमें उसे अपने विश्वास में लेकर लव जिहाद के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाना चाहिए, लड़की के घर जाकर उसके माता-पिता को सूचना देकर सचेत कर देना चाहिए उनकी हर संभव सहायता भी करनी चाहिए। साथ ही किसी हिंदू संगठन को इस बारे में अवश्य बताना चाहिए। उन्होंने अपनी सूझबूझ एवं शक्ति के बल पर कई हिंदू लड़कियों को लव जिहादियों के चंगुल से न केवल बचाया है बल्कि उन्हें जेल की सलाखों में बंद भी कराया है। एक अकेला व्यक्ति यह कार्य नहीं कर सकता। लव जिहाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हिंदू समाज को जाग्रत होना चाहिए। हमें हिंदू समाज से निरंतर संपर्क में रहना चाहिए तथा सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेते रहना चाहिए।

लव जिहाद को बेनकाब करे

आज का युग इम्फारमेशन टेक्नालॉजी का युग है- साथ ही विचारों के संघर्ष का युग है। सोशल नेटवर्किंग साईट, फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप आदि के माध्यम से लव जिहाद के बारे में अधिक से अधिक पोस्ट एवं मैसेज भेजे। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी लव जिहाद के षडयंत्र के बारे में बताएं। परिचित और मित्रों को ई-मेल भी करना उचित होगा। अपने परिवार एवं मित्र मंडली से भी इस विषय पर चर्चा करना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर इस विषय पर चर्चा करना चाहिए। यदि कोई पुस्तक या लेख मिले तो अपने परिचितों को पढ़ने के लिए देना चाहिए।

इस पुस्तक को फेसबुक पर हिंदू लड़कियों के मैसेज बाक्स में डाले। यदि एक राष्ट्रवादी एक दिन में कम से कम 100 लड़कियों के मैसेज बाक्स में यह मैटर कॉफी पेस्ट करे तो एक माह में 3000 लड़कियों को यह मैसेज मिलेगा, इस प्रकार यदि 100 व्यक्ति मैसेज भेजते हैं तो 3 लाख लड़कियों तक यह सूचना पहुंचेगी अब यदि 10 प्रतिशत लड़कियों ने भी इस पर अमल किया तो 30000 लड़कियों को सचेत कर सकेंगे और वे लव जिहाद के नर्क में जाने से बच जाएंगी। यह रामबाण उपाय है इस लेख को अपनी प्रोफाईल पर डाले, हिंदू युवतियों और हिन्दु समाज को लव जिहाद की जानकारी नहीं है। इसकी जानकारी ही इससे बचने का उपाय है। आपके प्रयास से अवश्य ही आपकी कोई हिंदू बहन राक्षसों के चंगुल में फंसने से बच जाएगी।

भारत में इस्लामीकरण के दुष्परिणाम

हमारे देश में धर्म निरपेक्षता और लोकतंत्र तभी तक जीवित रहेगा जब तक हिंदू बहुसंख्यक हैं। जिस दिन वे अल्पसंख्यक और मुस्लिम बहुसंख्यक हो जाएंगे वह दिन हिंदुओं के विनाश का होगा। मुस्लिम सत्ता लोकतंत्र से विश्वास नहीं करती है। धर्म निरपेक्षता जैसा कोई शब्द उनकी डिक्शनरी में नहीं है। संसार का एक भी मुस्लिम व्यक्ति धर्मनिरपेक्ष नहीं है। सत्ता की बागडोर हाथ में आते ही वे लोकतंत्र और संविधान को कचरे के डिब्बे में डालकर कुरान का शरिया कानून लागू कर देते हैं, जिसमें गैर मुस्लिमों को जीने का कोई अधिकार नहीं होता है। उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। काफिरों के साथ गुलामों की तरह वर्ताव किया जाता है। चारों ओर से निरंतर मनहूस आवाजें आती रहती हैं। हिंदू औरतों और लड़कियों को अगवा कर उनसे जबरन निकाह कर लिया जाता है। छोटी-छोटी बातों को लेकर दंगा फसाद आम बात है। इतिहास गवाह है कि पृथ्वी के जिस भूभाग पर मुस्लिमों की संख्या 40 प्रतिशत तक हो जाती है। वहां दंगे, लूटपाट और खूनखराबा आम बात होती है, हमारे देश में इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, कश्मीर यह मुस्लिम बहुलक्षेत्र है वहां कुछ वर्षों पहले हिंदू और सिक्खों पर अमानुषिक अत्याचार किये गए उनका सामूहिक कत्लेआम किया गया। लगभग 4 लाख हिंदुओं को वहां से खदेड़ दिया गया, जो आज भी दिल्ली के आसपास टेंटों में शरणार्थी जीवन जी रहे हैं यह कैसी विडंबना है कि देश का नागरिक अपने ही देश में शरणार्थी बन गया है।

लव जिहाद हिंदू समाज पर ही नहीं अपितु भारत राष्ट्र पर अप्रत्यक्ष भीषण आक्रमण है। मुस्लिमों की आबादी किसी भी तरह बढ़ा कर अजगर की तरह भारत को निगल जाने की मुस्लिम देशों की यह अंतरराष्ट्रीय साजिश है। **लेबनाम में भी**

यही घटा था वहां ईसाई बहुसंख्यक थे। मुस्लिमों ने जनसंख्या बढ़ाने का एक सूत्रीय कार्यक्रम निरंतर जारी रखा और अंत में वे बहुसंख्यक हो गये और लेबनान मुस्लिम राज्य बन गया। इस उदाहरण को ध्यान में रखते हुए लव जिहाद के विषय को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। इसका सामना करने के लिए समस्त हिंदू समाज को जाति भावना से ऊपर उठकर सजग और संगठित होने की आवश्यकता है।

हमें सरकार से यह मांग करना चाहिए कि धोखाधड़ी, छल और फरैब करके किसी लड़के या लड़की का धर्म परिवर्तन कर उसका यौन शोषण करना एक जघन्य अपराध है। इसे देशद्रोह घोषित किया जाये तथा छल,बल या प्रलोभन आदि किसी भी तरीके से किये गये धर्म परिवर्तन की न्यनतम सजा कठोर आजीवन कारावास होनी चाहिए। इस आशय के ज्ञापन थाना प्रभारी, जिलाधीश, राज्यपाल एवं राष्ट्रपति को देना चाहिए। इस विषय को जनता के सामने रखने के लिए कमरा बैठक एवं सभाएं आयोजित करना चाहिए।

भारत में जनसंख्या विस्फोट हो रहा है प्रतिवर्ष हमारे यहां ऑस्ट्रेलिया जितनी जनसंख्या बढ़ जाती है। जबकि वर्तमान में देश की कुल आबादी का लगभग 40 प्रतिशत अभाव, भुखमरी एवं गरीबी में जीवन यापन करने के लिए मजबूर है अत: भारत सरकार को चाहिए कि इस विकराल संकट से बचने के लिए जाति धर्म से ऊपर उठकर दो से अधिक बच्चे पैदा करने को राष्ट्रीय अपराध घोषित किया जाये। जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए कठोर कानून बनाना समय की मांग है।

सिमटता-भारत

यह एक ऐतिहासिक कटु यथार्थ है कि भारत के जिस भूभाग से हिंदुओं की जनसंख्या घटी है वह भूभाग देश से कटता गया और विधर्मियों के कब्जों में चला गया है। हमारे वे भूभाग जो हमारी कमजोरी के कारण बलात छीन लिये गये।

भारतीय भू-भाग	सन्
अफगानिस्तान (गांधार)	1834
नेपाल	1872
भूटान	1906
तिब्बत	1914
श्रीलंका	1935
म्यांमार (ब्रह्मदेश)	1935
पाकिस्तान	1947
बांग्लादेश	1947-1971
पाक अधिकृत कश्मीर	1948
चीन अधिकृत भारत	1962
बोरू बाड़ी व तीन बीघा	1992

भारत के अस्तित्व को समाप्त करने के प्रयास

विगत एक हजार वर्षों से विदेशी ताकतें भारतीय धर्म एवं संस्कृति को इस दुनिया से मिटा देने के लिए निरंतर प्रयास में लगी हुई है, ये प्रयास विभिन्न तरीकों से आज भी जारी है। इनमें मुख्य है हिंदुओं का धर्म परिवर्तन इस कार्य में मुस्लिम जिहादी और ईसाई मिशनरी जी जान से लगे हैं।

मुगलकाल में लाखों हिंदुओं का कत्लेआम किया गया तलवार के बल पर उन्हें मुसलमान बनाया गया है। मुगलों द्वारा भारत के शहरों के नाम भी बदले गये यथा– सभी देशप्रेमी से आग्रह है कि मुस्लिमों द्वारा परिवर्तित नाम के स्थान पर पूर्व हिन्दू नाम ही बोलचाल में लावें। नाम बदलने हेतु सरकार पर दबाव डाले।

वर्तमान शहर	पूर्व नाम
हैदराबाद	भाग्य नगर
इलाहाबाद	प्रयागराज
ओसामानाबाद	शिवप्रदेश
इस्लामनगर	जगदीशपुर
आजमगढ़	आर्यगढ़
दिल्ली	इंद्रप्रस्थ
कानपुर	कान्हापुर

वर्तमान शहर	पूर्व नाम
औरंगाबाद	संभाजी नगर
अहमदाबाद	कर्णावती
अलीगढ़	हरिगढ़
मुजफ्फर नगर	लक्ष्मीनगर
अजमेर	अजयमेरू
सुल्तानगंज	चंपा नगरी
बुरहानपुर	ब्रह्मपुर

खुशनसीब हैं वे लोग जो गैर इस्लामी देशों में रहते हैं। आज भी पाकिस्तान, बांग्लादेश, सउदी अरेबिया, इराक, सोमालिया, अफगानिस्तान जैसे मुस्लिम राष्ट्रों में लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबंदी है। इस्लाम ने हमें आतंकवाद, मदरसे, हिंसा, दंगे, बम धमाकों के अलावा कुछ नहीं दिया। इस्लाम और अमन कभी एक साथ नहीं रह सकते। अच्छे भविष्य के लिए हमें इस्लाम का त्याग करना ही होगा।

– मलाला युसुफजेई

"भारत में **पॉप्युलेशन जेहाद** भ्रष्टाचार से भी बड़ी समस्या है। मुसलमान अल्लाह की देन बताकर दर्जनों बच्चे पैदा कर रहे है। मुसलमानों के जनसंख्या विस्फोट से भारत की जनता झुग्गी बस्तियाँ, पानी की किल्लत, आतंकवाद, महंगाई, भूखमरी, बेरोजगारी की चपेट में आ चुकी है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून तुरंत लागू नहीं हुआ तो भारत की स्थिति पाकिस्तान, ईराक, सीरिया और बांग्लादेश से भी बदतर होगी।"

– सलमान रुशदी

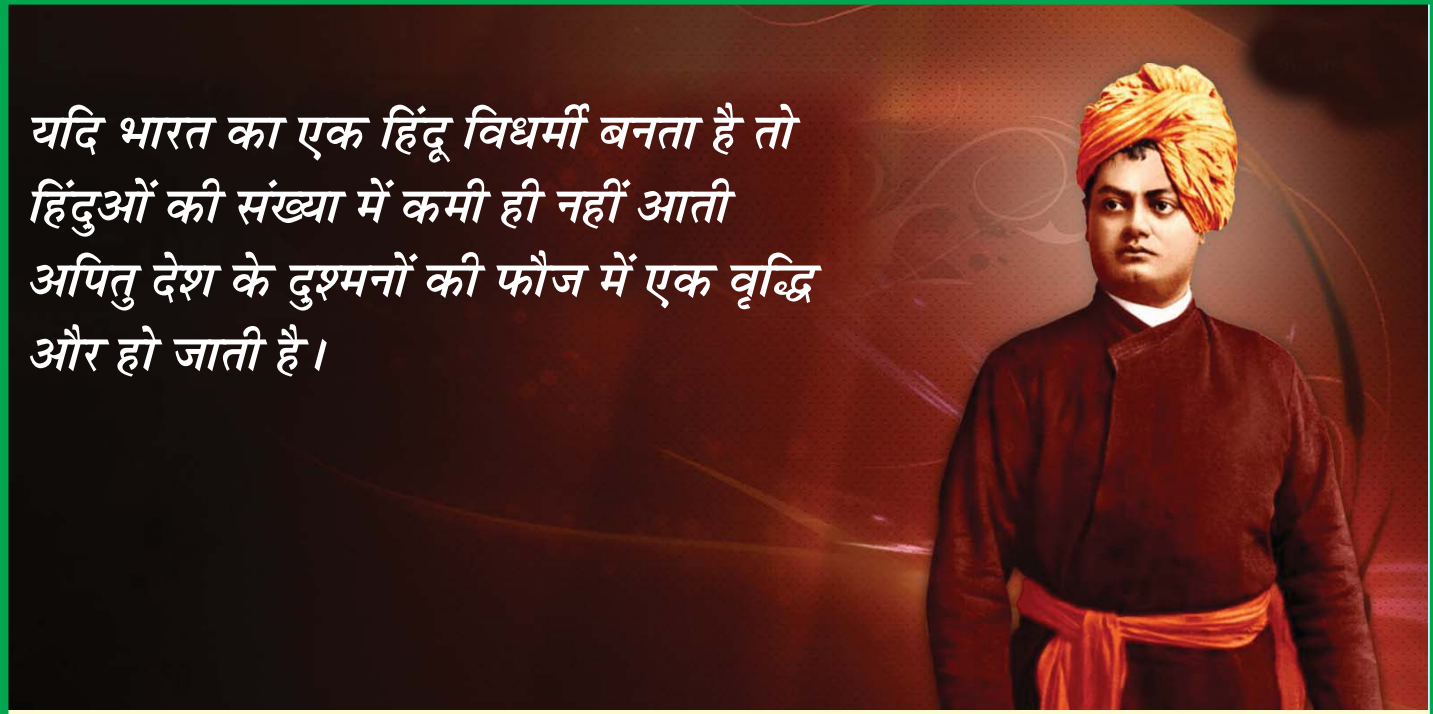

एक हिंदू लड़की के मुसलमान बनने से 100 वर्षों में उसकी संतति 500 बढ़ जाती है अर्थात वह 500 विधर्मियों के जन्म का कारण बनती है।

प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. कैलाश कबीर द्वारा अनुराग आफसेट, भोपाल से मुद्रित , संपर्क : 9039220570, 8269217317 ई मेल : swayamsewak@ymail.com
दिनांक : 18 मई, 2018, 6टा संस्करण प्रतियाँ : 5000 मूल्य : 10 रू.